खबर संक्षेप

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा संपन्न

शहडोल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा ओएमआर पद्धति से प्रातः 10 बजे से 12 बजे एवं दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक दो सत्रों में शहडोल जिले के 05 परीक्षा केन्द्रो में सुरक्षा व्यवस्था के बीच व्यवस्थित रूप से आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 1767 अभ्यर्थियों में से 1323 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी एवं 444 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्र शासकीय बालक हाई स्कूल रीवा रोड जयस्तंभ चौक शहडोल में 400 में से 308, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेंकेण्डरी विद्यालय गांधी चौक 350 मे से 263, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल जयस्तंभ चौक हेतु 300 में से 228, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल दुर्गा मंदिर स्टेडियम रोड में 350 में से 244, शासकीय इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय पांडवनगर में 367 में से 280 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। शहडोल में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का संभागीय परीक्षा पर्यवेक्षक राम गोपाल प्रजापति एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित किया गया शिविर

शहडोल। जिला बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए निःशुल्क ईको जांच शिविर का आयोजन जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र शहडोल में किया गया जिसमें शहडोल के साथ-साथ अनूपपुर, उमरिया, छत्तीसगढ़, रीवा जबलपुर, कटनी के बच्चों की निशुल्क जांच की गई। निजी हॉस्पिटल के चिकित्सक शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रिया प्रधान एवं कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर अखिलेश दुबे द्वारा कूल 74 बच्चों की जांच की गई जिसमें 25 बच्चों को जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित पाया गया। 16 ऐसे बच्चे जिनका पूर्व में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत एवं आयुष्मान योजना अंतर्गत हृदय रोग का उपचार हो चुका है उनका फॉलो अप किया गया जांच उपरांत बच्चे स्वस्थ पाए गए। ब्लॉक स्तर से आरबीएसके के प्रभारी डॉक्टर अजय गुप्ता, डॉ शिखा गुप्ता डॉ रश्मि साहू डॉ अजीत पटेल डॉ वंदना सिंह डॉ नीलिमा द्विवेदी डॉ राधेश्याम पटेल, डॉ एस आर साहू एवं अन्य डॉक्टर द्वारा चयनित बच्चों को शिविर में लाकर जांच कराई गई। सीबीएमओ डॉ.निशांत सिंह परिहार द्वारा एम्बुलेंस द्वारा बच्चों को कैंप में भेजा गया । सिविल सर्जन डॉक्टर शिल्पी श्रॉफ एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुप्रिया द्वारा शिविर में आए विशेषज्ञों से मुलाकात कर उनके कार्य की सराहना की।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर मौत

शहडोल। जिले की सडक़ों पर दौड़ते यमराज थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। खैरहा थाना क्षेत्र के हरदी मेन रोड पर रविवार को एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को ऐसी जोरदार टक्कर मारी कि मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। इस भीषण हादसे में धमनी कला निवासी 52 वर्षीय रामरसीले सिंह की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके दो साथी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

उड़ गए बाइक के परखच्चे

जानकारी के अनुसार, रामरसीले सिंह अपने साथियों के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। उन्हें क्या पता था कि सामने से आ रही बेलगाम कार उनकी जिंदगी का सफर खत्म कर देगी। टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। खैरहा पुलिस ने कार जब्त कर चालक पर शिकंजा तो कस लिया है, लेकिन क्या इससे उजाड़ हुआ सिंदूर और बुझा हुआ घर का चिराग वापस आएगा?

कब खुलेगी यातायात विभाग की कुंभकर्णी नींद - जिले में हर दिन सडक़ों पर खून बह रहा है, लेकिन प्रशासन और यातायात विभाग केवल कागजी खानापूर्ति में व्यस्त है। हेलमेट और जागरूकता अभियान सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं। सडक़ों पर न तो रफ्तार पर लगाम है और न ही नियमों का खौफ।

खांड नगर परिषद में कमीशन का कीर्तन

3 करोड़ के खजाने पर सीएमओ का डाका

चहेते वेंडरों के लिए बिछाई टेंडर की लाल कालीन

शहडोल।

भ्रष्टाचार की दीमक सरकारी सिस्टम को किस कदर खोखला कर रही है, इसका जीता-जागता और शर्मनाक उदाहरण जिले की नगर परिषद खांड (बाणसागर) में सामने आया है। यहां विकास की गंगा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की वैतरणी बह रही है, जिसमें मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने नियमों को खूंटी पर टांगकर जनता की गाढ़ी कमाई के 3 करोड़ रुपये अपनी निजी जागीर की तरह लुटा दिए। मामला इतना संगीन है कि राजधानी भोपाल तक हडक़ंप मच गया है, लेकिन अब जांच के नाम पर होने वाली लीपापोती की आशंका ने स्थानीय प्रशासन की साख पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

चुनिंदा शिकारियों के लिए बिछाया गया जाल

दस्तावेज गवाही दे रहे हैं कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया एक ढोंग मात्र थी। चहेते सप्लायरों को ठेका देने के लिए टेंडर की शर्तों में ऐसी अनाप-शनाप पेचीदगियां डाली गईं, जिससे प्रतिस्पर्धी फर्में बाहर हो जाएं और मैदान केवल मैनेज्ड ठेकेदारों के लिए खाली रहे। जेम पोर्टल के पारदर्शी प्रावधानों को धता बताते हुए यह पूरा खेल खेला गया।

सीएमओ बने सुपर इंजीनियर

लोकतंत्र में नियम और प्रक्रियाएं इसलिए बनाई जाती हैं ताकि

पारदर्शिता बनी रहे, लेकिन खांड नगर परिषद में साहब का अपना ही कानून चलता है। आरोप है कि इस करोड़ों के खेल में नगर परिषद के तकनीकी अमले (उपयंत्री) की राय लेना तो दूर, उन्हें पूरी तरह हाशिए पर धकेल दिया गया। बिना तकनीकी परीक्षण और बिना गुणवत्ता जांच के, महज चार महीनों के भीतर सामानों की ऐसी खेप मंगवाई गई, जिसकी कीमत सुनकर आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी।

लूट की लंबी फेहरिस्त

बाजार से कई गुना महंगी दर पर 4 पानी के टैंकर और 5 हिम्मत से हुआ। उन्होंने 21 अप्रैल 2026 को साक्ष्यों के साथ भोपाल में आयुक्त के सामने दस्तक दी। उन्होंने बताया कि कैसे खांड में बाजार दर से कई गुना अधिक कीमतों पर रद्दी सामान खरीदा गया। विभाग ने तत्परता दिखाते हुए 22 अप्रैल 2026 को जांच का आदेश तो जारी कर दिया, लेकिन जांच टीम के गठन ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

अपनों की जांच अपने करेंगे

नगरीय प्रशासन विभाग ने तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है, जिसका अध्यक्ष शहडोल के संभागीय कार्यपालन यंत्री अरविन्द इलेक्ट्रिक कचरा वाहन। बिना मानकों के सीसीटीवी कैमरे, ओपन जिम उपकरण और तिरंगा लाइटें। सोलर पैनल, गेट वाल्व, हैंडपंप सामग्री और कंक्रीट कुर्सियां। स्वच्छता के नाम पर लिक्विड और ब्लीचिंग पाउडर की ऐसी खरीदी, जिसका स्टॉक रजिस्टर से मिलान ही मुश्किल है।

जागरूक नागरिक ने खोली भ्रष्टाचार की पोल

इस महाघोटाले का भंडाफोड़ जबलपुर (सिहोरा) के जागरूक नागरिक प्रवीण तिवारी की

शर्मा को बनाया गया है। सदस्य के रूप में सिद्धार्थ सिंह (रीवा) और प्रमोद बिन्द्रा (नरसिंहपुर) शामिल हैं। जिस संभाग में यह 3 करोड़ का घोटाला महीनों तक चलता रहा, उस संभाग के निगरानी अधिकारी (संभागीय यंत्री) को ही जांच सौंपना कहां का न्याय है? क्या वे अपने ही अधीनस्थ अधिकारियों के काले कारनामों को उजागर करेंगे या फिर यह तुम मेरा बचाओ, मैं तुम्हारा बचाऊं वाली रणनीति का हिस्सा है? जनता के बीच यह संदेश जा रहा है कि यह कमेटी केवल फाइलें दबाने और सीएमओ को क्लीन चिट दिलाने का माध्यम मात्र है।

संभाग बना भ्रष्टाचार का चारागाह

चर्चा आम है कि खांड नगर परिषद तो केवल एक झांकी है, असल खेल तो पूरे संभाग में चल रहा है। छोटे निकायों को चहेते वेंडरों के लिए चारागाह बना दिया गया है। उपयंत्रियों की कलम को सीएमओ के खौफ या लालच से दबा दिया जाता है। यदि खांड के इस मामले में निष्पक्ष जांच हुई और दोषियों को जेल भेजा गया, तो ही सरकार का जीरो टॉलरेंस का नारा सच साबित होगा।

7 दिन का अल्टीमेटम

संचालनालय ने खांड सीएमओ को निर्देश दिया है कि सामग्री खरीदी की सभी 11 मूल फाइलें और बिल-वाउचर 7 दिन के भीतर पेश किए जाएं। शहर के गलियारों में चर्चा है कि फाइलों में हेरफेर की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाने वाले ये सफेदपोश अधिकारी क्या कभी सलाखों के पीछे पहुंचेंगे या फिर एक बार फिर जांच-जांच का खेल-खेलकर भ्रष्टाचारियों को अभयदान मिल जाएगा, जनता की अदालत में अब सरकार की साख का फैसला होना बाकी है।

उद्यमियों के हितों के लिए हुई लघु उद्योग भारती की स्थापना

स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

शहडोल। उद्योग भारती के स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उद्योग भारती की स्थापना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि उद्योग भारती की स्थापना का उद्देश्य उद्यमियों के हितों की रक्षा है। 1994 में स्थापित, इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग हित में ही राष्ट्र हित के मूल मंत्र के साथ सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को सहयोग प्रदान करना है। उद्यमियों के मार्ग में आने वाली समस्याओं का समाधान उद्योग भारती बेहतर ढंग से करती है। शहडोल में उद्योग भारती की शाखा की स्थापना होने के बाद कई कार्य किए गए। न सिर्फ उद्यमियों के लिए कार्य हुए बल्कि उद्योग में काम करने वाले मजदूरों और उनके बच्चों के हितों पर भी विस्तार से ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि जिले के उद्योगपतियों का सहयोग करना ही हमारा उद्देश्य है और इसके लिए हम सदैव तत्पर रहते हैं।

महिला सशक्तिकरण

लघु उद्योग भारती के बारे में जानकारी देते हुए रविंद्र गुप्ता ने बताया कि यह महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तर पर विशेष महिला इकाइयां संचालित करता है, जिससे हजारों महिला उद्यमी जुड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि देश भर के 400 से अधिक जिलों में उपस्थिति के साथ, यह नीतिगत मुद्दों पर सरकार के साथ संवाद, प्रदूषण नियंत्रण, खनन और अन्य औद्योगिक समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करता है। कार्यक्रम के दौरान लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी सुशील खोडियार सुनील, अग्रवाल डॉक्टर संजय श्रीवास्तव, विनोद शर्मा, संजय तिवारी, नितिन बड़ेरिया, संजय कुमार शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

कामचोर ठेकेदारों पर नपा का हंटर सीएमओ के सख्त तेवर से हड़कंप

समय पर काम पूरा नहीं हुआ तो ब्लैक लिस्ट होंगे दिग्गज

शहडोल।

नगर पालिका परिषद शहडोल में निर्माण कार्यों के नाम पर कुंडली मारकर बैठे लापरवाह ठेकेदारों की अब खैर नहीं है। शहर के विकास कार्यों में बरती जा रही सुस्ती और मनमानी को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए दर्जन भर से अधिक ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस थमा दिया है। सीएमओ ने दो-टूक चेतावनी दी है कि यदि काम की रफ्तार नहीं बढ़ी या गुणवत्ता से समझौता हुआ, तो संबंधित ठेकेदारों को कालातीत (ब्लैक लिस्ट) कर हमेशा के लिए बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।

कार्यादेश के बाद भी नहीं हिली एक ईंट

हाल ही में सीएमओ द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में संचालित निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान

अव्यवस्थाओं का ऐसा अंबार मिला कि अधिकारी दंग रह गईं। कई रसूखदार ठेकेदारों ने कार्यादेश प्राप्त होने के महीनों बाद भी काम शुरू करना मुनासिब नहीं समझा, वहीं कुछ ठेकेदार काम को अधूरा छोडक़र गायब हैं। इस लापरवाही से न केवल शहर का विकास बाधित हो रहा है, बल्कि आम जनता को भी धूल और बदहाली का सामना करना पड़ रहा है।

इन दिग्गजों पर गिरी गाज

नपा प्रशासन ने नोटिस जारी कर स्पष्ट निर्देश दिया है कि पत्र मिलने के 3 दिन के भीतर हर हाल में काम शुरू हो जाना चाहिए। नोटिस की जद में आए प्रमुख नामों में गणदीपति कंस्ट्रक्शन, प्रवीण सिंह, एसपीके कंस्ट्रक्शन, अनुराग मिश्रा, विद्या कंस्ट्रक्शन, शिवमहिमा कंस्ट्रक्शन, आदित्य कंस्ट्रक्शन, ए.एस. कंस्ट्रक्शन, सुनील तिवारी, मिश्रा ट्रेडर्स, खान ट्रेडर्स एवं ऋग्वेद कंस्ट्रक्शन शामिल हैं। यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब और काम में प्रगति नहीं दिखी, तो प्रशासन इनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई करेगा।

गुणवत्ता और समय से समझौता नहीं

सीएमओ आशा जितेंद्र भंडारी ने सख्त लहजे में कहा है कि नगर पालिका क्षेत्र में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर विकास के धन का दुरुपयोग करने वाले या काम में टालमटोल करने वाले ठेकेदारों के लिए विभाग में कोई जगह नहीं है। लापरवाह फर्मों के खिलाफ ब्लैक लिस्टिंग की कार्रवाई की फाइल तैयार की जा रही है, जिससे ठेकेदारों के बीच हडक़ंप मचा हुआ है। अब देखना यह होगा कि नोटिस मिलने के बाद इन ठेकेदारों की सुस्ती टूटती है या फिर नपा प्रशासन अपनी कड़ी कार्रवाई से शहर में एक नई मिसाल कायम करता है।

शहडोल की लंबित मांगों पर उपमुख्यमंत्री ने दिखाई सख्ती

प्रभारी मंत्री के दरबार में लक्ष्मण गुप्ता की दहाड़

शहडोल।

जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर के कद्दावर सदस्य लक्ष्मण गुप्ता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि जनप्रतिनिधि जागरूक हो, तो सत्ता को जनता के द्वार तक झुकना पड़ता है। जिले के विकास की नब्ज को पकड़ते हुए श्री गुप्ता ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल से सीधी भेंट कर क्षेत्र की उन बुनियादी समस्याओं का कच्चा चि_ा खोल दिया, जो फाइलों में दबी हुई थीं। लक्ष्मण गुप्ता के तर्कों और जनहित के प्रति उनके अटूट समर्पण के सामने प्रभारी मंत्री ने न केवल सहमति जताई, बल्कि लापरवाह सिस्टम को तत्काल एक्शन मोड में आने के कड़े निर्देश भी दिए।

मंडी से बदलेगी तकदीर

शहडोल के व्यापारिक भविष्य को देखते हुए लक्ष्मण गुप्ता ने संभागीय कृषि उपज मंडी

और फल-सब्जी मंडी के लिए नवीन प्रांगण के निर्माण का मुद्दा पूरी ताकत से उठाया। उन्होंने दो टूक कहा कि जब तक व्यापारियों को आधुनिक संसाधन और किसानों को सुरक्षित भंडारण नहीं मिलेगा, तब तक संभाग का आर्थिक विकास अधूरा है। इस मांग की गंभीरता को देखते हुए उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

पट्टा वितरण के लिए मिली हरी झंडी

ग्रामीण राजनीति में अपनी गहरी पकड़ रखने वाले श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत कल्याणपुर के निवासियों की वर्षों पुरानी पीड़ा को प्रभारी मंत्री के सामने रखा। उन्होंने मांग की कि यहां सालों से काबिज परिवारों की भूमि को तत्काल आबादी घोषित कर उन्हें मालिकाना हक (पट्टा) दिया जाए। उपमुख्यमंत्री ने इस मानवीय मांग पर तत्काल मुहर लगाते हुए राजस्व विभाग के अमले को प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर सीधी बात

जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर लक्ष्मण गुप्ता ने प्रभारी मंत्री को आईना दिखाया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में सुविधाओं की कमी और लचर प्रबंधन पर चिंता जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहडोल की जनता इलाज के लिए महानगरों की मोहताज नहीं रहनी चाहिए। इस पर श्री शुक्ल ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों को दो-टूक कहा कि प्रबंधन में सुधार लाएं, वरना कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

जनता में हर्ष, सिस्टम में हलचल

लक्ष्मण गुप्ता के इस मिशन मोड प्रयास ने प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। उपमुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के बाद अब उम्मीद जगी है कि शहडोल के विकास में लगे ब्रेक अब हटेंगे। सोहागपुर जनपद सहित पूरे संभाग में आम जनता इस सक्रियता की सराहना कर रही है और इसे शहडोल के स्वर्णिम भविष्य की ओर एक बड़ा कदम मान रही है।

शहडोल संभाग के नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति करें जागरूकः कमिश्नर

संभाग स्तरीय सडक़ सुरक्षा की समीक्षा बैठक संपन्न

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि शहडोल संभाग में सडक़ दुर्घटनाओ को रोकने हेतु प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग के नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान सतत रूप से चलाएं। कमिश्नर ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सडक़ दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले को 25,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाएं एवं राहवीर योजना का बेहतर प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें जिससे पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ मिल सके। बैठक में कमिश्नर ने गम्भीर एक्सीडेंट के मामले, पीएचक्यू द्वारा ई-चालान मशीन के संबंध में तथा यातायात नियमों पर पिछले बर्ष से अब तक की गई कार्यवाही, इंटर सेक्टर व्हीकल जब से दी गई है तब से आज तक की गई कार्यवाही एवं लगाई गई धारा, ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन तथा परिशोधन कार्य की आश्यकता, राहत राशि जैसे अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की। कमिश्नर को शहडोल संभाग में सडक़ सुरक्षा हेतु किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया गया।बैठक में आई.जी. एन.चैत्रा, सीसीएफ महेंद्र प्रताप सिंह, डीआईजी सुश्री सविता सुहाने, कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय सहित संभाग के पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा का शपथ ग्रहण संपन्न: मनीष गुप्ता बने अध्यक्ष

सेवा और संस्कार के संकल्प के साथ नई कार्यकारिणी ने संभाली कमान विधायक मनीषा सिंह रहीं मुख्य अतिथि

शहडोल। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा ने अपने सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने पर नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मनीष चंद्र गुप्ता ने अध्यक्ष, नीति सिंघल ने सचिव और अशोक मोर ने कोषाध्यक्ष के रूप में आगामी सत्र के लिए दायित्व ग्रहण किया।

सेवा और संस्कार ही परिषद का मूल मंत्र

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विवेकानंद शाखा ने अल्प समय में ही सेवा और संस्कार के कार्यों से नगर में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई टीम परिषद के ध्येय वाक्यों को और अधिक विस्तार देगी।

अतिथियों ने दी संगठन की सीख

प्रांतीय अध्यक्ष योगेश जैन ने सेवा, संपर्क और पर्यावरण जैसे पंच-सूत्रों पर प्रभावी कार्य करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि एवं प्रांतीय महासचिव आलोक टिकरिया ने नवीन कार्यकारिणी को शपथ दिलाते हुए मातृशक्ति की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रांतीय संरक्षक राजेंद्र अग्रवाल और संगठन मंत्री आलोक खोडियार ने भी सदस्यता वृद्धि और संसाधन प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया।

नई टीम का हुआ गठन

नवनियुक्त अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने सेवा और समर्पण के मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नई कार्यकारिणी में संरक्षक मंडल के रूप में विजय जैन, अशोक सराफ व रवि नेमा को शामिल किया गया है। वहीं, प्रकल्प प्रमुख के रूप में प्रकाश चंद्र गुप्ता (संपर्क), श्रीजा गुप्ता (संस्कार), अजय शर्मा (पर्यावरण), विजय दुबे (सेवा) और बबिता मोर (महिला सहभागिता) को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। समारोह में भारत को जानो और गुरु वंदन छात्र अभिनंदन जैसे राष्ट्रीय प्रकल्पों के लिए भी संयोजकों की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन श्रीलेखा जौहरी ने किया एवं आभार सचिव नीति सिंघल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जिले के गणमान्य नागरिक, समाजसेवक और परिषद के निष्ठावान सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की गई नियुक्ति

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राखी सहाय ने बताया कि 1 जनवरी 2026 की स्थिति में पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राखी सहाय ने आयोग के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश निर्वाचन नियम के प्रावधानो के अंतर्गत अधिकारियों को जनपद पंचायतो के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण 1 जनवरी 2026 की स्थिति मे करने,उन्हें प्रकाशित करने तथा सूचियो के संबंध में प्रस्तुत दावे और आपत्तियों का निराकरण कर उन्हें संशोधित करते हुए अंतिम रूप देने के लिए रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि मप्र राज्य निर्वाचन आयोग व्दारा जारी कार्यक्रम अनुसार 27 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से कलेक्टर सभागार कक्ष में प्रशिक्षण प्राप्त कर आयोग के निर्देशानुसार पुनरीक्षण कार्यवाही समय सारणी अनुसार संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे ।

जिले में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

संभागीय पर्यवेक्षक ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

उमरिया। जिले में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन रविवार को निर्धारित समय पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा जिले के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया,पीएम श्री बालक उमावि तथा पालीटेक्निक उमरिया में आयोजित की गई, जहां परीक्षार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। संभागीय पर्यवेक्षक राम गोपाल प्रजापति सेवा निवृत्त जिला न्यायाधीश द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने केंद्रों पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। संभागीय पर्यवेक्षक ने कलेक्टर कार्यालय उमरिया में बनाए गए कंट्रोल रूम का भी अवलोकन किया । परीक्षा के दौरान भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई थी। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम को आवश्यक दवाइयों के साथ तैनात रखा गया था। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के भी कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रवेश के दौरान परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया गया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी प्रत्युष श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार लक्ष्मी वर्मा, लायजनिंग आफीसर अमन दुबे, परीक्षा केंद्रों के पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण पर हो रही कार्यवाही

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में खनि अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु सतत भ्रमण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में खनिज अमले की वाहन जॉच में जिला मुख्यालय से लगे ग्राम लालपुर में 01 ट्रेक्टर इंजन क्रमांक ई 2424224 मय ट्राली को खनिज रेत के अवैध उत्खनन-परिवहन-भंडारण में लिप्त पाए जाने से जप्त किया गया।

भ्रष्टाचार की पुलिया: तेन्दूडोल में सरकारी खजाने की डकैती

स्टीमेट को रद्दी मानकर सरपंच-सचिव ने की बंदरबांट

शहडोल।

जिले की जनपद पंचायत जयसिंहनगर की पंचायतें भ्रष्टाचार का टापू बन चुकी है, जहां विकास के नाम पर सरकारी धन की होली खेली जा रही है। ताज़ा मामला ग्राम पंचायत तेन्दूडोल का है, जहां हंसू सिंह के खेत के पास बन रही कल्वर्ट पुलिया निर्माण के नाम पर भ्रष्टाचार का ऐसा खुला-खेल हो रहा है कि कायदे-कानून और नियम-निर्देशों की धज्जियां उड़ गई हैं। यहां सरपंच, सचिव और वेंडर ने मिलकर ऐसा त्रिकोणीय गठबंधन बनाया है, जिसका एकमात्र लक्ष्य शासकीय खजाने को लूटकर अपनी जेबें भरना है।

हकीकत में लूट का खेल

जानकारी के अनुसार, इस कल्वर्ट पुलिया के लिए 26 जनवरी 2025 को 4 लाख 99 हजार रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई थी। तकनीकी स्वीकृति 20 फरवरी 2026 को दी गई। स्टीमेट के अनुसार, इस कार्य में 75 हजार रुपये मजदूरी और 4 लाख 24 हजार रुपये निर्माण सामग्री के लिए निर्धारित थे, लेकिन भ्रष्टाचारियों की भूख देखिए, अब तक सामग्री के नाम पर 4 लाख 48 हजार 232 रुपये डकारे जा चुके हैं। अब खाते में महज 50,768 रुपये बचे हैं। सवाल यह उठता है कि जब सामग्री का बजट ही पार हो गया, तो क्या मजदूर अब हवा खाकर काम करेंगे या फिर यह बचा हुआ पैसा भी किसी फर्जी मस्टर रोल के जरिए उड़ाने की तैयारी है?

उपयंत्री की भूमिका पर सवाल

इस पूरे मामले में सबसे संदिग्ध भूमिका उपयंत्री की नजर आ रही है। अगर पंचायतों को अपनी मनमर्जी से ही पैसा खर्च करना है, तो उपयंत्री द्वारा स्टीमेट बनाने का ढोंग आखिर क्यों किया जाता है? जब स्टीमेट के विरुद्ध जाकर भुगतान हो रहा था, तब तकनीकी अधिकारियों की आंखें क्यों बंद थीं, क्या उपयंत्री की कलम भ्रष्टाचार की स्याही से डूबी हुई है, जो उन्हें यह वित्तीय अनियमितता नजर नहीं आई?

अवैध रेत का काला कारोबार

जिले में वर्तमान में रेत का एक भी वैध ठेका संचालित नहीं है, लेकिन तेन्दूडोल में निर्माण के नाम पर रेत की नदियां बह रही हैं। गुप्ता सायकल एण्ड हार्डवेयर स्टोर बस स्टैण्ड अमझोर द्वारा इस निर्माण में धड़ल्ले से रेत की सप्लाई की जा रही है। जब ठेका ही नहीं है, तो यह वेंडर रेत कहां से ला रहा है? स्पष्ट है कि पंचायत में चोरी की रेत खपाई जा रही है और अवैध उत्खनन को बढ़ावा दिया जा रहा है। वेंडर और पंचायत की यह जुगलबंदी सीधे तौर पर एनजीटी के नियमों और शासन के आदेशों को ठेंगा दिखा रही है।

जिम्मेदार मौन, भ्रष्टाचार को संरक्षण

जनपद से लेकर जिला मुख्यालय तक बैठे साहबों को क्या यह सेंधमारी नजर नहीं आ रही, तेन्दूडोल में जिस तरह से सरकारी पैसे की लूट मची है, वह बिना उच्चाधिकारियों के मौन संरक्षण के संभव नहीं है। स्टीमेट को किनारे रखकर मनमाने बिल पास करना यह साबित करता है कि यहां अंधेर नगरी, चौपट राजा वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। तेन्दूडोल की यह पुलिया विकास का नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का स्मारक है। यदि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हुई और सरपंच, सचिव, उपयंत्री व संबंधित वेंडर के वित्तीय लेन-देन खंगाले गए, तो एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश होना तय है।

इनका कहना है...

अभी मूल्यांकन नहीं हुआ है, मामले को हम दिखवाते हैं।

हेमेन्द्र पटले
उपयंत्री जनपद पंचायत जयसिंहनगर

स्टीमेट के अनुसार अगर कार्य नहीं हुआ है तो, यह गलत है, रेत कहां से आ रही है, रॉयल्टी है कि नहीं,इसकी जांच करवाई जायेगी।

श्रीमती शिवानी जैन
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत जयसिंहनगर

बाल भगवान आश्रम अमरकंटक में नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

धार्मिक आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के प्रमुख बाल भगवान आश्रम में 23 अप्रैल गुरुवार से 1 मई शुक्रवार तक नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन वैशाख शुक्ल सप्तमी से वैशाख शुक्ल पूर्णिमा तक संपन्न होगा। धार्मिक अनुष्ठान संत शिरोमणि कमला माता जी की पावन प्रेरणा से तथा आचार्य पं. श्रीराम निहोरा त्रिवेदी के सानिध्य में सम्पन्न कराया जा रहा है। आयोजक रोहित लाल त्रिपाठी के अनुसार तपोभूमि मां नर्मदा के पावन स्थल अमरकंटक में आयोजित इस महायज्ञ का उद्देश्य धर्म, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी सज्जनों एवं श्रद्धालुओं के शामिल हो रहे है। कार्यक्रम की शुरुआत 23 अप्रैल वैशाख शुक्ल सप्तमी के अवसर पर शोभायात्रा, मंडप पूजन एवं आचार्य वरण के साथ शुभारंभ हुआ। 24 अप्रैल शुक्रवार को वैशाख शुक्ल अष्टमी पर अग्नि मंथन का आयोजन किया गया। वहीं 1 मई शुक्रवार को वैशाख शुक्ल पूर्णिमा के दिन पूर्णाहुति, सहस्त्रधारा एवं विशाल भंडारे के साथ महायज्ञ का समापन होगा। गोलोक वासिनी कमला माता जी के आशीर्वाद एवं संतों के सानिध्य में होने वाले इस धार्मिक आयोजन में सभी श्रद्धालुओं को पुण्य लाभ हेतु सादर आमंत्रित किया गया है। आयोजक बाल भगवान आश्रम अमरकंटक ने क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' के संबंध में बैठक संपन्न

उमरिया।

अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेनगुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित स्थान नगर पालिका स्टेडियम, शासकीय कालरी उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा कृष्ण ताल खेल मैदान में 1 मई से 30 मई तक प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 7 बजे तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में खिलाडिय़ों के ऑनलाइन पंजीयन पर समस्त प्राचार्यों, ग्रामीण युवा समन्वयकों तथा खेल संघों से चर्चा की गई।पूर्व में प्रतिवर्ष पंजीयन निःशुल्क था,परंतु इस वर्ष शासन द्वारा ऑनलाइन पंजीयन पर 11 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। समस्त विकासखंड मुख्यालयों पर 2 खेल तथा जिला मुख्यालय पर 4 खेलों के आयोजन पर चर्चा हुई।

प्रस्तावित खेलों में पाली में वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल (स्थान सेंट जोसेफ उच्च माध्यमिक विद्यालय), मानपुर में वॉलीबॉल एवं कबड्डी (स्थानरू शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान) तथा जिला मुख्यालय में हॉकी, हैंडबॉल, वॉलीबॉल एवं फुटबॉल शामिल हैं।

चयनित खेलों के अतिरिक्त अन्य खेलों के विभागीय प्रशिक्षकों हेतु सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी से चर्चा की गई। सामाजिक जागरूकता घटक के अंतर्गत योग, प्राणायाम, साइबर सुरक्षा, नशामुक्ति, मोबाइल एडिक्शन जैसे विषयों पर संवाद एवं कार्यशालाओं के आयोजन हेतु पुलिस अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से चर्चा की गई।

सोसायटी एंगेजमेंट तथा सांस्कृतिक एवं मनोरंजन घटक के अंतर्गत सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन पर भी चर्चा हुई। खिलाडिय़ों की स्वास्थ्य संबंधी जांच, इलेक्ट्रोल पाउडर ओआरएस घोल तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से चर्चा की गई। एसईसीएल कोल माइंस के महाप्रबंधक एवं खनिज अधिकारी, जिला उमरिया से खिलाडिय़ों की यूनिफॉर्म पर चर्चा की गई। खेल मैदानों की साफ-सफाई एवं पेयजल हेतु मुख्य नगरपालिका अधिकारी से चर्चा की गई। आत्मरक्षा से संबंधित खेलों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने पर भी सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी से चर्चा की गई।

अपर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिविर के दौरान मेडिकल किट की व्यवस्था करने, नगरपालिका अधिकारी को पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने, खनिज विभाग को ट्रैकसूट तथा एसईसीएल नौरोजाबाद को टी-शर्ट उपलब्ध कराने सहित अन्य विभागों को दायित्व सौंपे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करें। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीताराम सत्या, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, सीएमएचओ डॉ.वी.एस. चंदेल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हेलमेट अभियान या अवैध वसूली का खेल?

सड़क सुरक्षा के नाम पर गरीबों की घेराबंदी हाईवे पर 'यमराज' बनी यातायात पुलिस

नेशनल हाईवे-43 पर हेलमेट जांच के बहाने वसूली के आरोप, यातायात प्रभारी पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जिले में 26 अप्रैल से 10 मई तक चलाए जा रहे हेलमेट जांच विशेष अभियान को लेकर जहां एक ओर पुलिस प्रशासन इसे सड़क सुरक्षा के लिए जरूरी कदम बता रहा है, वहीं दूसरी ओर आमजन के बीच इस अभियान को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है कोतमा से अनूपपुर मार्ग, विशेषकर नेशनल हाईवे-43 पर हालात ऐसे बन गए हैं कि हेलमेट जांच अभियान अब सड़क सुरक्षा से ज्यादा अवैध वसूली का जरिया नजर आने लगा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यातायात पुलिस कोतमा-अनूपपुर मार्ग पर इस तरह तैनात रहती है मानो सड़क सुरक्षा नहीं, बल्कि राहगीरों की घेराबंदी की जा रही हो सड़क किनारे खड़े पुलिसकर्मी दोपहिया चालकों को रोकने के नाम पर ऐसे खौफ का माहौल बना देते हैं कि आमजन उन्हें 'यमराज' तक कहने लगे हैं सबसे अधिक परेशानी उन गरीब तबके के लोगों को उठानी पड़ रही है, जो रोजी-रोटी के लिए इसी मार्ग से गुजरते हैं। कभी सब्जी बेचने वाला अपनी ठेली लेकर घंटों खड़ा दिखाई देता है, तो कभी दूध बेचने वाला देरी से परेशान नजर आता है। ऑटो चालक, छोटे व्यापारी, मजदूर और ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोग सड़क किनारे लंबी कतारों में खड़े इंतजार करते रहते हैं कि कब पुलिस हटे और वे आगे निकल सकें स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात पुलिस की यह सख्ती नियम पालन से अधिक गरीबों पर दबाव बनाने का जरिया बन चुकी है। सबसे अधिक सवाल यातायात प्रभारी की कार्यशैली को लेकर उठ रहे हैं आरोप है कि जब से इनको यातायात प्रभारी बनाया गया है, जिले की यातायात व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण और दुर्घटना रोकथाम के नाम पर चल रही कार्रवाई अब आमजन के लिए राहत नहीं, बल्कि परेशानी का कारण बन गई है। आरोप यह भी हैं कि इनको यातायात प्रभारी के साथ-साथ हाईवे चौकी फुनगा का भी प्रभारी बनाए जाने के बाद हालात और बिगड़े हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर दिन-रात ओवरलोड वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं, लेकिन उन पर कार्रवाई के बजाय संरक्षण दिए जाने की चर्चा आम है यही कारण है कि छोटे वाहन चालकों पर सख्ती और बड़े वाहनों पर नरमी को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि हाईवे पर अवैध ओवरलोड वाहनों का संचालन बिना संरक्षण के संभव नहीं है कोयला, रेत और अन्य भारी मालवाहक वाहन खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आते हैं, लेकिन कार्रवाई का डंडा केवल हेलमेट न पहनने वाले गरीब, मजदूर और छोटे वाहन चालकों पर ही चलता दिखाई देता है। इसी अव्यवस्था और कथित मिलीभगत का एक गंभीर उदाहरण 20 अप्रैल को सामने आया, जब ट्रक क्रमांक सीजी 04 आरटी 8654 के चालक लल्लू कोल, निवासी भालूमाड़ा जो की कटनी से कोयला खाली कर वापस कोतमा लौट रहा था आरोप है कि रास्ते में कार सवार छह लोगों ने ट्रक रोककर चालक के साथ मारपीट की और ट्रक से जबरन 250 लीटर डीजल चोरी कर लिया घटना में चालक को गंभीर चोटें आईं सवाल यह है कि जब हाईवे सुरक्षा की जिम्मेदारी सख्ती से निभाने का दावा किया जा रहा है, तब इस तरह की संगठित वारदातें कैसे हो रही हैं?

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस की सक्रियता वास्तव में सड़क सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए होती, तो हाईवे पर लूट, डीजल चोरी, ओवरलोडिंग और अवैध परिवहन जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक दिखाई देती लेकिन वर्तमान हालात यह संकेत दे रहे हैं कि हेलमेट अभियान का वास्तविक उद्देश्य सुरक्षा कम और वसूली अधिक बनता जा रहा है। हेलमेट अभियान निस्संदेह सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

शादी का झांसा देकर आबरू से खिलवाड़ करने वाला पाखंडी गिरफ्तार, पति को छुड़वाकर महिला का सालभर किया शोषण

शहडोल। रिश्तों को कलंकित और महिलाओं की भावनाओं से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों के विरुद्ध शहडोल पुलिस ने सख्त तेवर अपना लिए हैं। थाना सिंहपुर पुलिस ने शादी का झूठा प्रलोभन देकर एक 27 वर्षीय महिला का लगातार शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी दीपेश पटेल को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाई। आरोपी दीपेश पटेल उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम बोडरी ने महिला को अपने झांसे में लेकर उसे पति को छोडऩे के लिए मजबूर किया और शादी का सपना दिखाया। 6 सितंबर 2025 से शुरू हुआ यह शोषण का सिलसिला 17 अप्रैल 2026 तक चलता रहा। आरोपी ने बार-बार दुष्कृत्य किया और जब शादी की बात आई, तो वह अपने वादे से मुकर गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए शहडोल महिला सुरक्षा थाने से प्राप्त जीरो एफआईआर पर सिंहपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी आशीष झारिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी दीपेश को दबोच लिया। शुक्रवार को उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में सउनि लोलर प्रसाद, प्र.आर. सत्यनारायण पाण्डेय सहित टीम की भूमिका रही।

भूमि अधिग्रहण के बाद रोजगार की आस

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र ने 25 प्रभावितों को साक्षात्कार हेतु बुलाया

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) सोहागपुर क्षेत्र द्वारा भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों को रोजगार देने की प्रक्रिया के तहत 25 परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) को साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया। चयन समिति द्वारा यह प्रक्रिया आरसी क्लब सोहागपुर क्षेत्र में आयोजित की गई, जहां प्रभावित परिवारों में नौकरी मिलने की उम्मीद जगी, लेकिन व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी भी सामने आई। एसईसीएल प्रबंधन द्वारा जारी पत्र के अनुसार 25 अप्रैल 2026 को सुबह 10:30 बजे साक्षात्कार रखा गया। इसमें प्रभावितों के भूमि संबंधी

दस्तावेज, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीयन कार्ड सहित अन्य अभिलेखों का सत्यापन किया गया। अधिकारियों ने पात्र अभ्यर्थियों को शीघ्र रोजगार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पत्र में शामिल नामों के अनुसार साक्षात्कार हेतु बुलाए गए लोगों में देव सिंह राठौर, चंद्रवती राठौर, शिवम राठौर, देवेंद्र राठौर, त्रिलोचन राठौर, दीनदयाल राठौर, दिलीप पाण्डेय, ब्रजराज पटेल, दीपिका सोनी, संदीप गुप्ता, सरद गुप्ता, दिलीप सोनी, नवीन कुमार मिश्रा, राम खेवनलाल साहू, रमेश कुमार साहू, सुमित कुमार साहू, हृदय त्रिपाठी, शुभम त्रिपाठी, फुजल अहमद, अब्दुल कादिर, गौरव कुमार गुप्ता, स्वप्ना, सत्यम पटेल, सूर्यकांत पटेल एवं शिवकुमार पटेल शामिल हैं। हालांकि साक्षात्कार में पहुंचे लोगों ने व्यवस्थाओं की कमी पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि कंपनी ने वर्षों पहले जमीन अधिग्रहित कर ली, लेकिन जब रोजगार प्रक्रिया के लिए बुलाया गया तो बैठने, पीने के पानी, चाय-नाश्ते जैसी मूलभूत सुविधाओं का उचित इंतजाम नहीं था। तेज गर्मी में महिला, पुरुष और बुजुर्ग पेड़ों की छांव में इंतजार करते नजर आए। दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों को काफी असुविधा झेलनी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कंपनी प्रभावित परिवारों को रोजगार देने के प्रति गंभीर है, तो चयन प्रक्रिया के दौरान सम्मानजनक सुविधाएं भी उपलब्ध करानी चाहिए। लंबे समय से नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को अब अंतिम निर्णय का इंतजार है।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग बासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे। ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर

मो. 9479623424, 9340637789

खबर संक्षेप

अनूपपुर जिले में एमपीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 आज अनूपपुर जिले में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा की गई चाक-चौबंद व्यवस्थाओं के बीच परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया गया। परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी और नकल विहीन बनाने के लिए सभी केंद्रों पर प्रशासनिक निगरानी के साथ सुरक्षा के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। जिले में इस प्रतिष्ठित परीक्षा के लिए कुल 1,178 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनके लिए बैठक व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं केंद्रों पर उपलब्ध कराई गई थीं। उपस्थिति के आंकड़ों के अनुसार, प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित प्रथम पाली में कुल 877 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 301 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। इसी प्रकार, दोपहर 2:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक आयोजित द्वितीय पाली की परीक्षा में 869 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए और 309 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान शुचिता बनाए रखने के लिए केंद्रों पर तकनीकी सुरक्षा मानकों और पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे संपूर्ण प्रक्रिया निर्बाध रूप से पूरी हुई। परीक्षा के सफल समापन के उपरांत सभी उत्तर पुस्तिकाओं को नियमानुसार सील कर कड़ी सुरक्षा के बीच आगामी कार्यवाही हेतु सुरक्षित किया गया है।

विशेष जेल लोक अदालत सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर म0प्र0 के निर्देशानुसार 26 अप्रैल को जिला जेल अनूपपुर में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन श्रीमती माया विश्वलाल प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के द्वारा तथा श्रीकृष्णा डागलिया जिला न्यायाधीश, श्रीमती चैनवती ताराम मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रावेन्द्र कुमार सोनी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बॉबी सोनकर न्यायाधीश एवं बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। प्रधान न्यायाधीश द्वारा बंदियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, जेल चिन्ता का नही चिन्तन का स्थान है, आप यहाँ हस्तकौशल की दक्षता विकसित कर स्वाबलंबी बन सकते है। अब न्याय केवल अदालतों तक सीमित नही है, बल्कि उन लोगों तक पहुँच रहा है, जो सुधार की राह पर है। इस विशेष लोक अदालत के अन्तर्गत समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण, लघु अपराधो से संबंधित प्रकरण, प्लीबारगेनिंग के प्रकरण एवं अन्य उपयुक्त मामलों को चिन्हित कर कार्यवाही की गई। उक्त कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसेल संतदास नापित, रामकृष्ण सोनी, श्रीमती शोभा पटेल, विकास शुक्ला, आयुष सोनी और जेल उपअधीक्षक इन्द्र देव तिवारी सहित जेल स्टॉफ एवं बंदीगण उपस्थित रहे।

मां संतोषी की प्राण प्रतिष्ठा आज, भक्ति से आलोकित होगा अनूपपुर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर की पावन धरती पर आज खेर माई धाम मंदिर में माँ संतोषी की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का दिव्य आयोजन संपन्न होगा। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनुपम वातावरण व्याप्त है। धर्मनगरी अनूपपुर में स्थित खेर माई धाम पटौरा टोला बिजली ऑफिस के पास में माँ संतोषी की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इन दिनों आध्यात्मिक उल्लास अपने चरम पर है। नगर के समाजसेवी रवि अग्रवाल (जैतहरी वाले) के द्वारा निर्मित नवीन मंदिर में यह भव्य धार्मिक अनुष्ठान पूर्वजों के आशीर्वाद एवं माँ भगवती की कृपा से विधिवत संपन्न किया जा रहा है। आयोजन में नगर सहित ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। इस पावन अनुष्ठान का शुभारंभ 23 अप्रैल, गुरुवार को भव्य कलश यात्रा एवं पंचांग पूजन के साथ हुआ।

शर्मसार अमरकंटक! कभी गौरव रहा बस स्टैंड अब बना बदहाली का अड्डा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/अमरकंटक।

आध्यात्मिक और पर्यटन की पहचान रखने वाला अमरकंटक आज अपने ही बस स्टैंड की दुर्दशा पर शर्मिंदा नजर आ रहा है। वर्ष 1991 में शुरू हुआ यह बस स्टैंड कभी साफ-सुथरा, व्यवस्थित और यात्रियों के लिए सुविधाजनक हुआ करता था। लेकिन अब यह अपनी पहचान खोकर उपेक्षा का शिकार हो चुका है। जगह-जगह टूटी संरचनाएं, खस्ताहाल भवन और गंदगी का अंबार इस बात का सबूत है कि जिम्मेदारों ने आंखें मूंद रखी हैं। गर्मी के इस तपते मौसम में न पंखे काम कर रहे हैं, न ही पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था है। श्रद्धालु और पर्यटक, जो पवित्र नगरी में सुकून की तलाश में आते हैं, उन्हें बस स्टैंड पर ही बदहाली का सामना करना पड़ रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कदम न उठाया जाना प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है।

> यात्रियों की सांसें भी बेहाल
>
> अमरकंटक का बस स्टैंड जो कभी रीवा संभाग की शान और व्यवस्था का प्रतीक हुआ करता था, आज बदहाली की ऐसी तस्वीर बन चुका है कि यहां कदम रखते ही यात्रियों का स्वागत सुविधाओं से नहीं, बल्कि गंदगी और अव्यवस्था से होता है। टूटती दीवारें, जाम नालियां और बदबूदार माहौल प्रशासन की नाकामी की खुली कहानी कह रहे हैं, जिससे न सिर्फ यात्री परेशान हैं बल्कि नगर की छवि भी धूमिल हो रही है।
>
> हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/अमरकंटक।

खस्ताहाल ढांचा बना खतरे की घंटी

बस स्टैंड की इमारत अब किसी हादसे को न्योता देती नजर आ रही है। दीवारों में दरारें, टूटी खिड़कियां और जर्जर छत यह संकेत दे रही हैं कि यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। यात्रियों को बैठने के लिए सुरक्षित स्थान तक नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन की अनदेखी इस हद तक पहुंच चुकी है कि मरम्मत का नामोनिशान तक नहीं दिखता। यह स्थिति न केवल असुविधाजनक है बल्कि जानलेवा भी बनती जा रही है। आखिर कब तक लोग अपनी जान जोखिम में डालकर यहां सफर करेंगे?

गंदगी का साम्राज्य, बदबू से बेहाल यात्री

बस स्टैंड परिसर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। नालियां जाम हैं, कचरे के ढेर सड़कों पर फैले हैं और बदबू इतनी तीव्र है कि यात्रियों का वहां खड़ा रहना मुश्किल हो जाता है। स्वच्छता के दावों की पोल यहां खुलकर सामने आ रही है। सबसे हैरानी की बात यह है कि धार्मिक स्थल होने के बावजूद इस तरह की गंदगी प्रशासन की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती है। यात्रियों का कहना है कि यहां आकर ऐसा लगता है मानो किसी कूड़ाघर में पहुंच गए हों।

गर्मी में 'तपता तंदूर' बना बस स्टैंड

भीषण गर्मी में यात्रियों के लिए पंखे और बिजली की व्यवस्था न होना किसी सजा से कम नहीं है। लोग पसीने से तरबतर होकर घंटों बस का इंतजार करते हैं, लेकिन राहत के नाम पर कुछ नहीं मिलता। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। छांव की समुचित व्यवस्था भी नहीं है, जिससे स्थिति और बदतर हो जाती है। सवाल यह है कि जब प्रशासन को हर साल गर्मी का अंदाजा होता है, तो फिर तैयारी क्यों नहीं की जाती?

पर्यटन नगरी की छवि पर लग रहा दाग

अमरकंटक देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आस्था का केंद्र है। लेकिन बस स्टैंड की यह हालत नगर की छवि को धूमिल कर रही है। जो लोग यहां पहली बार आते हैं, उनके मन में शहर को लेकर नकारात्मक छवि बन जाती है। पर्यटन को बढ़ावा देने के दावे इस बदहाली के सामने खोखले साबित हो रहे हैं। अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में पर्यटक भी यहां आने से कतराने लगेंगे।

जनता का फूटा गुस्सा, जिम्मेदार मौन

स्थानीय नागरिकों और यात्रियों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद कोई कार्रवाई न होना लोगों को निराश कर रहा है। जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। जनता अब साफ तौर पर मांग कर रही है कि बस स्टैंड की मरम्मत, सफाई और सुविधाओं को तत्काल दुरुस्त किया जाए। अगर जल्द ही सुधार नहीं हुआ, तो यह आक्रोश आंदोलन का रूप भी ले सकता है।

भोलगढ के जंगल में हाथी के हमले में महिला की मौत, पति, पुत्र घायल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर से 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बरबसपुर के भोलगढ गांव के जंगल में रविवार की दोपहर जंगल में स्थित चटूआ के खेत से भोलगढ़ गांव जंगल के रास्ते से आ रहे परिवार पर जंगल में विचरण कर रहे एक हाथी द्वारा हमला कर एक महिला को कुचल देने से महिला की स्थल पर मौत हो गई महिला के पति एवं पुत्र को घायल किया जिन्हें उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है हाथी इसी जंगल में घूम रहा है। रविवार की दोपहर जिला मुख्यालय अनूपपुर से 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बरबसपुर के गांव भोलगढ निवासी समयलाल पाव जिसका खेत चटुआ गांव के पास जंगल में है परिवार दिन में खेत में रहा तभी दोपहर 3 बजे के लगभग खेत से जंगल होकर भोलगढ गांव की ओर आ रहा था जिसने 6 सदस्यों में से प्रेमवती पांव 30 वर्ष पर पगडंडी रास्ते के पास खड़े एक हाथी द्वारा हमला कर स्थल पर मृत कर दिया महिला के पति 32 वर्षीय राममनोज पाव, 6 वर्षीय पुत्र दीपक पाव को भी उठाकर पटक देने से घायल स्थिति में वन विभाग की टीम द्वारा सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को भोलगढ गांव लाकर निजी वाहन आटो से उपचार हेतु जिला चिकित्सालय भेजा हाथी महिला को मृत करने बाद घटनास्थल के आसपास ही काफी देर तक खड़ा रहा जिसे हो-हल्ला करने पर जंगल में ही दूसरी जगह चला गया घटना की जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं वनविभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचकर मृतिका के शव को सुरक्षित किया वन विभाग ने भोलगढ़ चटुआ, खांड़ा, पौड़ी, मानपुर, बरबसपुर, सोनटोला एवं हाथी से प्रभावित ग्रामों के ग्रामीणों को रात के समय सचेत एवं सतर्क रहने, हाथी से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

सड़कों पर व्हीआईपी गुंडाराज

काली फिल्म और हूटर वाले प्राइवेट वाहन बेलगाम, पुलिस कब करेगी कार्यवाही?

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में काली फिल्म, हूटर और फर्जी नेम प्लेट लगाकर घूम रहे प्राइवेट वाहनों ने कानून को खुली चुनौती दे रखी है। सड़कों पर 'फर्जी व्हीआईपी कल्चर' का यह नजारा हर दिन देखने को मिल रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा पसरा हुआ है। नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले इन वाहनों पर पुलिस की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है, जिससे आम जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों प्राइवेट वाहनों पर काली फिल्म, हूटर और फ्लैश लाइट लगाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। स्कॉर्पियो, थार जैसे महंगे वाहनों पर फर्जी रौब झाड़ने के लिए लोग नियमों को ताक पर रख रहे हैं। इतना ही नहीं, कई वाहन नंबर प्लेट की जगह पर्सनल नाम बोर्ड लगाकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो सीधे-सीधे यातायात नियमों का उल्लंघन है। हैरानी की बात यह है कि ये वाहन न केवल सड़कों पर बल्कि थानों के सामने से भी बिना रोक-टोक गुजरते हैं, फिर भी जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे इनके हौसले और बुलंद हो रहे हैं। पहले भी ऐसे वाहनों का उपयोग आपराधिक गतिविधियों में होता पकड़ा जा चुका है, फिर भी प्रशासन की नींद नहीं खुल रही। अब स्थानीय लोगों ने सख्त चेकिंग अभियान चलाकर कार्यवाही की मांग उठाई है।

प्राइवेट गाड़ियों पर व्हीआईपी बनने का शौक

जिले भर में बड़ी संख्या में लोग अपनी प्राइवेट गाड़ियों पर हूटर और फ्लैश लाइट लगाकर खुद को व्हीआईपी दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। स्कॉर्पियो और थार जैसी गाड़ियों में यह ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम जनता के लिए भ्रम और डर का माहौल भी बनाता है। असली और नकली व्हीआईपी में फर्क करना मुश्किल हो जाता है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी असर पड़ता है।

काली फिल्म और फर्जी नंबर प्लेट का खेल

वाहनों में काली फिल्म लगाकर अंदर बैठे लोगों की पहचान छिपाई जा रही है, जो सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक है। इसके साथ ही कई वाहन नंबर प्लेट की जगह पर्सनल नाम बोर्ड लगाकर खुलेआम घूम रहे हैं। यह सीधा-सीधा मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन है, लेकिन इसके बावजूद कार्यवाही नहीं होना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है।

थाने के सामने से गुजरते 'बेखौफ' वाहन

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ऐसे नियम तोड़ने वाले वाहन थाने के सामने से भी बेधड़क गुजरते हैं, लेकिन उन्हें कोई रोकने वाला नहीं होता। यह स्थिति पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जब कानून के रक्षक ही अनदेखी करें, तो नियमों का पालन कैसे सुनिश्चित होगा?

अपराध में भी हो चुका है इस्तेमाल

पहले भी काली फिल्म और हूटर लगे वाहनों का इस्तेमाल कई आपराधिक गतिविधियों में किया जा चुका है। ऐसे वाहन अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाते हैं, जिससे वे आसानी से बच निकलते हैं। इसके बावजूद प्रशासन की लापरवाही यह दर्शाती है कि संभावित खतरे को नजरअंदाज किया जा रहा है।

जनता में आक्रोश, कार्रवाई की मांग तेज

स्थानीय नागरिकों ने अब इस मुद्दे पर आवाज उठानी शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्यवाही नहीं हुई, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। पुलिस अधीक्षक से विशेष चेकिंग अभियान चलाकर ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई है।

इनका कहना है

जल्द ही विशेष चेकिंग अभियान चलाकर प्राइवेट वाहनों से काली फिल्म और हूटर हटवाने के साथ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

विनोद दुबे
जिला यातायात प्रभारी

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अमरकंटक के सार्वजनिक कुओं की सफाई की मांग

भीषण गर्मी में पेयजल संकट के बीच पुराने कुएं बने सहारा नागरिकों ने नगर परिषद से शीघ्र सफाई की अपील

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेशभर में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित नगर परिषद अमरकंटक द्वारा भी इस अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं सफाई को लेकर विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। भीषण गर्मी के कारण क्षेत्र के अनेक जल स्त्रोत प्रभावित हो रहे हैं तथा पेयजल योजनाएँ भी आए दिन बाधित हो रही हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों में नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थित पुराने सार्वजनिक कुएँ आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बने हुए हैं। इन कुओं के माध्यम से पेयजल आपूर्ति हो रही है, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटक एवं तीर्थयात्री भी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं। नगर परिषद क्षेत्र के रामघाट पार्किंग, कपिला संगम, हिंडालको बराती, जमुना दादर, टिकरी टोला सहित विभिन्न स्थानों पर स्थित सार्वजनिक कुओं की नियमित साफ-सफाई अत्यंत आवश्यक मानी जा रही है। कई कुओं में गंदगी, कचरा एवं जल प्रदूषण की स्थिति बनी हुई है, जिससे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। इसके बावजूद मजबूरीवश लोग इन्हीं कुओं के जल का उपयोग कर रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्य को सफल बनाने तथा स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए इन प्राचीन जल स्त्रोतों का संरक्षण और सफाई समय की आवश्यकता बन गई है। स्थानीय गणमान्य नागरिकों, तीर्थयात्रियों एवं आमजन ने नगर परिषद अमरकंटक से मांग की है कि सार्वजनिक कुओं की तत्काल साफ-सफाई करवाई जाए, ताकि जल स्त्रोतों का संवर्धन हो सके और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।

गर्मी से जनजीवन प्रभावित, 43 डिग्री पर पहुंचा तापमान

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) व आसपास के डोला, पौराधार, सेमरा, आमाडांड, बरतराई, क्षेत्र में इन दिनों गर्मी ने पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। राजनगर में रविवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के स्तर पर पहुंच गया। जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री पर बना रहा। दिन में सूर्य कि तीखी किरणें बर्दाश्त कर पाना मुश्किल हो रहा है। जिससे क्षेत्र के लोग घरों में डुबकने को विवश हो चुके हैं। शाम को भी सड़कों पर सन्नाटा पसर रहा है, और जरूरी काम होने पर ही लोग घर से बाहर निकल रहे हैं। गर्मी ने आम जन जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है। जिससे सभी लोगों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही लगातार बढ़ती गर्मी के कारण लोग बेब हीट के भी शिकार हो रहे है। प्रभावित लोग स्वास्थ्य केंद्र एवं चिकित्सको के पास चक्कर लगा रहे हैं, उल्टी और कमजोरी जैसी शिकायतो के साथ मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। समझदार लोग गर्मी से बचाव के लिए दिन में घरों में ही रहना बेहतर समझ रहे हैं और ठंडा पेय पदार्थ का सेवन कर रहे हैं। राजनगर बाजार में भी दोपहर के समय लोगों कि संख्या काफी कम हो गई जिससे दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है, गर्मी के कारण उनकी तबीयत खराब हो जा रही है। दोपहर में स्कूल से घर लौटते समय बच्चों को लू लग जा रही है। जिससे अभिभावको कि चिंता बढ़ गई है। चिकित्सकों द्वारा लोगों को सलाह दी जा रही हैं, कि अधिक आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले। सर को ढक कर रखें और अधिक मात्रा में नींबू की शिकंजी व पानी का सेवन करें। धूप में सफेद गमछा एवं सफेद टोपी का इस्तेमाल करें। नगर परिषद क्षेत्रो के प्याऊ ने लोगों को गर्मी में राहत दी है।